

प्रेषक,

डी०एस० गब्र्याल,

सचिव,

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

मेलाधिकारी,

अर्द्ध कुम्भ मेला-2016,

हरिद्वार।

शहरी विकास अनुभाग-3

देहरादून: दिनांक: 29 फरवरी, 2016

विषय— अर्द्ध कुम्भ मेला 2016 के अर्न्तगत मालवीयद्वीप एवं सुभाष घाट के मध्य हरकी पैडी पर एक नग स्टील सेतु कार्य की स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

कृपया उपरोक्त विषयक अपने पत्र संख्या-1721/अ०कु०मे०/सि०वि०/मालवीयद्वीप, दिनांक 20.12.2015 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ कि अर्द्ध कुम्भ मेला 2016 के अर्न्तगत मालवीयद्वीप एवं सुभाष घाट के मध्य हरकी पैडी पर एक नग स्टील कार्य के लिए सिंचाई विभाग द्वारा विभागीय टी०ए०सी० के उपरान्त उपलब्ध कराये गये रु० 43.35 लाख (रु० तेतालीस लाख पैन्तीस हजार मात्र) पर प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुये समस्त धनराशि रु० 43.35 लाख अवमुक्त कर व्यय किये जाने की राज्यपाल महोदय निम्न प्रतिबंधों के अधीन स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- (i) भारत सरकार से प्राप्त धनराशि की प्रथम किश्त से ही उक्त धनराशि का समायोजन सुनिश्चित करेंगे।
- (ii) कार्य करने से पूर्व मदवार दर विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों के आधार पर तथा जो दरें शिड्यूल ऑफ रेट्स में स्वीकृत नहीं हैं अथवा बाजार भाव से ली गई हों, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता/सक्षम अधिकारी से अनुमोदित करना आवश्यक होगा।
- (iii) कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र पर सक्षम अधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी आवश्यक होगी।
- (iv) कार्य पर उतना ही व्यय किया जाये जितनी धनराशि की स्वीकृति गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- (v) कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुये एवं लो०नि०वि० द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुये निर्माण कार्य को सम्पादित कराना सुनिश्चित किया जाएगा।
- (vi) निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाय तथा उपयुक्त सामग्री ही प्रयोग में लायी जाय।
- (vii) आगणन में प्राविधानित डिजायन एवं मात्राओं हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता एवं अधीक्षण अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।

- (viii) मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-2047/XIV-219(2006) दिनांक 30.05.2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कड़ाई से पालन किया जाएगा।
- (ix) आगणन गठित करते समय तथा कार्य प्रारम्भ कराने से पूर्व उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। साथ ही यह भी सुनिश्चित कर लिया जाय कि वित्त विभाग द्वारा निर्धारित प्रारूप पर कार्यदायी संस्था से एम0ओ0यू0 कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व करा लिया गया है। स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय व कार्य निश्चित समयावधि में पूर्ण किया जाय।
- (x) निर्माण कार्य का पुनरीक्षण नहीं किया जाएगा तथा कार्य की थर्ड पार्टी क्वालिटी चैकिंग कराई जाएगी।
- (xi) आगणन में प्राविधानित डिजाइन एवं मात्राओं हेतु संबंधित कार्यदायी संस्था पूर्णरूप से उत्तरदायी होगी।
- (xii) अस्वीकृत आगणन के प्राविधानों एवं तकनीकी स्वीकृति के प्राविधानों में परिवर्तन (केवल अपरिहार्य स्थिति में ही) करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की सहमति अनिवार्य रूप से प्राप्त की जाएगी। साथ ही यह परिवर्तन स्वीकृत धनराशि की सीमान्तर्गत ही किया जाएगा।
- (xiii) प्रश्नगत कार्य का गहन निरीक्षण एवं पर्यवेक्षण सिंचाई विभाग द्वारा किया जाएगा।

2— उक्त स्वीकृत धनराशि का व्यय शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों, वित्तीय हस्त पुस्तिका व बजट मैनुअल के अनुसार किया जाय।

3— इस सम्बन्ध में होने वाले व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2015-16 की अनुदान संख्या-13 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-4217— शहरी विकास पर पूंजीगत परिव्यय-03—छोटे तथा मध्यम श्रेणी के नगरों का समेकित विकास-आयोजनागत-800—अन्य व्यय-01 केन्द्रीय आयोजनगत/केन्द्रपुरोनिधानित-0107—अर्द्ध कुम्भ मेला, 2016 की मानक मद संख्या-35—पूंजीगत परिसम्पत्तियों के सृजन हेतु अनुदान के नामे डाला जाएगा।

4— यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-1078/XXVII(2)/15, दिनांक 19 फरवरी, 2016 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।


5— एलॉटमेंट आई0डी0 संख्या-एस01602130411 एवं एच01602131521 दिनांक 23 फरवरी, 2016 के द्वारा उक्त धनराशि ऑनलाइन रूप से अवमुक्त की गई है।

भवदीय,
/
(डी0एस0 गब्याल)
सचिव।

संख्या- ५१५ (1) / IV-3 / 2016-04(141) / 2015, तददिनांक:

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी), उत्तराखण्ड, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।
2. महालेखाकार (आडिट), उत्तराखण्ड, वैभव पैलेस, सी0-1 / 105, इन्दरा नगर, देहरादून।
3. सचिव, सिंचाई विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
4. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
5. मुख्य अभियन्ता, सिंचाई विभाग, देहरादून।
6. जिलाधिकारी, हरिद्वार।
7. निदेशक, एन0आई0सी0 सचिवालय परिसर, देहरादून।
8. अधीक्षण अभियन्ता, सिंचाई विभाग, हरिद्वार।
9. अधिशासी अभियन्ता, सिंचाई विभाग, हरिद्वार।
10. वरिष्ठ कोषाधिकारी, हरिद्वार।
11. वित्त अनुभाग-2
12. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(रईस अहमद)
अनु सचिव।

बजट आवंटन वित्तीय वर्ष - 20152016

Secretary, Urban Development (S054)

आवंटन पत्र संख्या - 3059/15-4(141)/15

अनुदान संख्या - 013

अलोटमेंट आई डी - S1602130411

आवंटन पत्र दिनांक -23-Feb-2016

HOD Name - Secretary, Urban Development (Grants) (9005)

1: लेखा शीर्षक 4217 - शहरी विकास पर पूंजीगत परिव्यय 03 - छोटे तथा मध्यम श्रेणी के नगरों का समेकित विकास
800 - अन्य व्यय 01 - केन्द्रीय आयोजनागत/ केन्द्र पुरोनिधानित
07 - अर्धकुम्भ मेला, 2016

Plan Voted			
मानक मद का नाम	पूर्व में जारी	वर्तमान में जारी	योग
35 - पूंजीगत परिसम्पत्तियों के सृजन	1844068500	4335000	1848403500
	1844068500	4335000	1848403500

Total Current Allotment To Head Of The Department In Above Schemes - 4335000

बजट आवंटन वित्तीय वर्ष - 20152016

Secretary, Urban Development (Grants) (9005)

आवंटन पत्र संख्या - 3059/15-04(141)2015

अलोटमेंट आई डी - H1602131521

अनुदान संख्या - 013

आवंटन पत्र दिनांक -23-Feb-2016

DDO Name - Meladhikari KumbhHaridwar (2871) , Treasury - Haridwar (6500)

1: लेखा शीर्षक	4217 - शहरी विकास पर पूंजीगत परिव्यय 800 - अन्य व्यय 07 - अर्धकुम्भ मेला, 2016	03 - छोटे तथा मध्यम श्रेणी के नगरों का समेकित विकास 01 - केन्द्रीय आयोजनागत/ केन्द्र पुरोनिधानित
----------------	--	---

Plan Voted			
मानक मद का नाम	पूर्व में जारी	वर्तमान में जारी	योग
35 - पूंजीगत परिसम्पत्तियों के सृजन	1778688500	4335000	1783023500
	1778688500	4335000	1783023500

Total Current Allotment To DDO In Above Schemes - 4335000